पाठ्यक्रम: HIN-502

पाठ्यक्रम का शीर्षक:भारतीय काव्यशास्त्र

श्रेयांक: 04 (60)

शैक्षणिक वर्ष से लागू: 2022-23

पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित	भारतीय काव्यशास्त्र की सामान्यजानकारी होना आवश्यक है।	**घंटे**
उद्देश्य	• काव्य की अवधारणा से परिचित कराना। • काव्य के विविध रूपों से परिचित कराना। • प्रस्तुत पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को भारतीय काव्यशास्त्र के विविध सिद्धांतों से परिचित कराना। • भारतीय काव्यशास्त्र के आचार्यों के विविध मतों से परिचित कराना।	
पाठ्य विषय	**काव्य की अवधारणा** • काव्य का स्वरूप • काव्य के लक्षण • काव्य के तत्त्व • काव्य के हेतु • काव्य के प्रयोजन • काव्य के विविध रूप	**12**
	भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांत - **रस सिद्धांत :**अवधारणा एवं स्वरूप • रस के भेद, साधारणीकरण • विभिन्न आचार्यों के मत • रस निष्पत्ति सिद्धांत के परवर्ती आचार्य भट्टलोल्लट - उत्पत्तिवाद शंकुक - अनुमितिवाद भट्टनायक - भुक्तिवाद अभिनव गुप्त – अभिव्यक्तिवाद	**12**
	अलंकार सिद्धांत : स्वरूप एवं विवेचन • अलंकार : परंपरा एवं भेद	**08**
	रीति सिद्धांत :स्वरूप, परंपरा एवं भेद • रीति के आधारभूत तत्त्व - काव्य गुण, काव्य दोष, अलंकार	**08**
	ध्वनि सिद्धांत : स्वरूप एवं परंपरा • शब्द शक्तियाँ • ध्वनि के भेद	**08**

	वक्रोक्ति सिद्धांत :स्वरूप एवं परंपरा • वक्रोक्ति के भेद	**06**
	औचित्य सिद्धांत: स्वरूप एवं परंपरा औचित्य के भेद	**06**
अध्यापन विधि	व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, संगोष्ठी, प्रस्तुतीकरण	
संदर्भ ग्रंथ सूची	1) उपाध्याय, बलदेव. भारतीय साहित्यशास्त्र. वाराणसी. 2) गुप्त, गणपतिचंद्र. साहित्यिक निबंध. लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2015. 3) गुलाबराय, बाबू. सिद्धांत और अध्ययन. आत्माराम ऐंड संस, दिल्ली, 2010. 4) चौधरी, सत्यदेव. भारतीय काव्यशास्त्र. अलंकार प्रकाशन, नई दिल्ली. 5) त्रिपाठी, राधावल्लभ. भारतीय काव्यशास्त्र की आचार्य परंपरा. विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी. 6) त्रिपाठी, राममूर्ति. भारतीय काव्य विमर्श. वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली. 7) डॉ॰ नगेंद्र. भारतीय काव्यशास्त्र की परंपरा. नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली. 8) बाली, डॉ॰ तारक नाथ. भारतीय काव्यशास्त्र. वाणी प्रकाशन, 2017. 9) मिश्र, भगीरथ. काव्यशास्त्र. विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 2016. 10) शुक्ल, रामबहोरी. काव्य प्रदीप. हिंदी भवन, इलाहाबाद, 2012. 11) सिंह, योगेंद्र प्रताप. भारतीय काव्यशास्त्र. लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद.	
अधिगम परिणाम	• काव्य की अवधारणा से परिचित होंगे। • काव्य के विविध रूपों से परिचित होंगे। • प्रस्तुत पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को भारतीय काव्यशास्त्र के विविध सिद्धांतों से परिचित होंगे। • भारतीय काव्यशास्त्र के आचार्यों के विविध मतों से परिचित होंगे।	